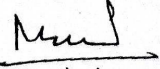


अनुदान - पुर्वराज VS तहसीलदार, देपुरी
राजस्थान अपील सं 05/2022

<p>तारीख हुक्म</p>	<p>हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए</p>
<p>12/4/24</p>	<p>पञ्जाबली प्रकृत ईई/ डिप्रिवत अपीलारे उपस्थित। उक्त में अपीलारे द्वारा अपील प्रकृत पर निवेदन दिया गया कि राजस्थान राज्य धारणार के स्वतंत्र नं 1034 में अपीलारे पर 715 वर्गमीटर भूमि पर अनुदान वगैरे 50 अधीनस्थ न्यायालय ने वेदवली को अपेक्ष पारित किया जब कि अपीलारे का सकार स्वतंत्र नं 1036 में स्थित है। अतः (सीमेंक 02) में का रिपोर्ट निगवार जो तथा अधीनस्थ न्यायालय के वेदवली अपेक्ष को निरस्त किया जावे। पञ्जाबली पर उपस्थित प्रकृत के अपील का अपेक्ष कर दिया गया। अधीनस्थ न्यायालय ने सीमेंक का में का रिपोर्ट प्रकृत नहीं की है। जबकि काफ़ी लम्बा समय हो गया है। अतः रेस्पेक्ट का जवाब बत किया जाता है। उपस्थित प्रकृत के स्पष्ट है कि अधीनस्थ न्यायालय ने अनुदान मानते 50 कार्यवाही की है जिसे हलियेप की कोई गुंजाईश नहीं है किन्तु अनुदान स्व. नं 1034 में है अथवा नहीं यह निश्चित किया जाता अवरुद्ध है। अतः अपेक्ष दिया जाता है कि अधीनस्थ न्यायालय को निरस्त रि 7-7-20 प्रकृत सं 10/2020 को बगल रखा जाता है एवं अधीनस्थ न्यायालय को निरस्त रि जाते हैं कि निर्णय की पालना में पूर्ण कर पुनिश्चित किया जावे कि अनुदान स्व. नं 1034 में है या नहीं यदि अनुदान स्व. नं 1034 निरस्त नहीं है तो पालना की जावे। निर्णय सं 10/2020 प्रकृत गया। पालना हेतु तहसीलदार देपुरी को लिखा जावे पञ्जाबली के लिये शुमार होकर अवर रु करवा।</p> <p style="text-align: center;">  12/4/24 (जितेन्द्र कुमार पाण्डे) अतिरिक्त जिला कलक्टर बाली, जिला-पाली </p>	